

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 16 May 2020

Today on 16th May, 2020, Hon'ble Vice Chancellor of University of Lucknow Prof. Alok Kumar Rai and Coordinator of the Lucknow University Alumni Association (LUAA) Prof. Nishi Pandey launched this year's first massive membership drive to LUAA over video conferencing. More than 180 participants joined Prof. Pandey's call to the meeting, including several illustrious names of administrative, academic, journalistic and executive stature, and from all corners of the country. There were alumna present from Assam, Uttarakhand, Delhi, Bangalore and even the Saudi Arabia. Prof. Rai in his address to the alumni expressed his pleasure at the turnout and remarked how he has met the University's alumni everywhere he has been and served. He informed the gathered alumna that the University is working to devise a system wherein they may soon be able to get invited to their respective departments to share their expertise. He also called out to them to stay in touch with the LUAA and stay active in the same in order to continue being a part of their distinguished alma mater. Prof. Nishi Pandey echoed his thoughts and informed everyone that the process to formally register the LUAA has begun and soon, the details will be available on the University website. She invited suggestions from the alumna on how they can contribute to the University and continue their association with it, to which several significant suggestions were made. Prof. Rahul Shukla, currently teaching at XLRI suggested that the alumni may start mentoring students from the University to prepare them for things ranging from appearing in interviews to getting placed in appropriate jobs. Another suggestion to include academic publications of alumni in the alumni section on the University website was also welcomed. The event was well attended and much appreciated.

आज 16 मई, 2020 को लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और लखनऊ विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक (LUAA) प्रो. निशि पांडे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए LUAA के लिए इस साल का पहला विशाल सदस्यता अभियान शुरू किया। बैठक में प्रो.पांडे के आह्वान में देश के सभी कोनों से 180 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए,

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

जिनमें प्रशासनिक, शैक्षणिक, पत्रकारिता और कार्यकारी कद के कई नाम शामिल थे। असम, उत्तराखंड, दिल्ली, बेंगलोर और यहां तक कि सऊदी अरब से भी अलुमना मौजूद थे। प्रो.राय ने बैठक की शुरुवात में अपने संबोधन में सबके आने पर अपनी खुशी का इजहार किया, और कहा कि वे विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र देश और दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ने में सक्षम रहे हैं और कईयों से मिलने का सौभाग्य भी उन्हें प्राप्त हुआ है. उन्होंने एकत्रित अलुम्ना को सूचित किया कि विश्वविद्यालय एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रहा है, जिसमें वे जल्द ही अपने संबंधित विभागों में अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए और नए विद्यार्थियों को पढ़ाने आ पाएंगे. उन्होंने सभी का एल्यूए के संपर्क में रहने और अपने प्रतिष्ठित अल्मा मेटर का हिस्सा बने रहने के लिए सभी का आह्वान किया। प्रो निशि पांडे ने उनके विचारों को प्रतिध्वनित किया और सभी को सूचित किया कि एल्यूए को औपचारिक रूप से पंजीकृत करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और जल्द ही, विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उन्होंने अलुम्ना से सुझाव आमंत्रित किए कि कैसे वे विश्वविद्यालय में योगदान दे सकते हैं और इसके साथ अपना जुड़ाव जारी रख सकते हैं, जिसमें कई महत्वपूर्ण विचार सामने आये. वर्तमान में एक्सएलआरआई में अध्यापन कर रहे अलुम्नी प्रो.राहुल शुक्ला ने सुझाव दिया कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय से छात्रों के लिए मेंटर की भूमिका में आ सकते हैं ताकि उन्हें जॉब इंटरव्यू से लेकर अन्य कई चीजों के लिए तैयार किया जा सके। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पूर्व छात्र अनुभाग में पूर्व छात्रों के अकादमिक प्रकाशनों को शामिल करने के एक और सुझाव का भी स्वागत किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Department of Physics, University OF Lucknow organized a programme to celebrate 'International Day of Light - 16th of May, 2020'. This programme was announced by UNESCO in 2018 to the anniversary of the first successful operation of the laser in 1960 by physicist and engineer, Theodore Maiman. This was a two day programme which started on 15th of May and was completed on May 16. On the first day of this programme, participants were appreciated and motivated by the honourable chief guest Prof K K Verma, Head, Department of Physics, Ram Manohar Lohiya University, Ayodhya. Participants from various institutions across the country like IIT BHU, Kolkata etc of all the faculties including science, arts, commerce and vocational participated enthusiastically in the various activities like poster making, photography, extempore on virtual platform. On the second day of this programme, a lecture series was organized in which chief guest Dr. Anil Bhardwaj, Director, PRL, Ahamdabad, receipient of many prestigious awards, patron of the programme and Vice Chacellor of the Lucknow University Prof. Alok Rai, Prof. Kehar Singh, IIT, Delhi , gave valuable information to the students. After this, Prof. N.B.Singh, from Sharda University, Prof. R. M. Mehra from Sharda University, Prof. Usha Malaviya, former Head of the Department of Physics, Lucknow University unraveled a interesting facets of the science of light. In the next session of this lecutre series, Dr. A. K. Srivastava, Chief Scientist, Indian Agriculture Research Institute, Dr. Chanchal Johri Ayurvedic Physician, Dr. Nuzhat F. Jilani, Vanier College, Canada, Dr. Isht Vibhu, Dr Shraddha Rastogi and participants addressed the audience. Neary 400 participants were present. It is worthy to be mentioned that in many temples of Ancient India, like Chhaya Someswara Swamy temple Nalgonda district, Telangana, Brihadisvara Temple, Thanjavur, Virupaksha temple, Hampi have expressed the laws of optics via architectural designing. Prof Poonam Tandon, Head,

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Prof. Anchal Srivastava (convener) and Prof. Rajesh Shukla, of Department of Physics, University of Lucknow was steered the programme successfully.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के भौतिक विज्ञान विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस, जिसकी यूनेस्को (UNESCO) द्वारा उद्घोषणा वर्ष 2018 में की गई, 16 मई, 2020 को मनाया गया। यह कार्यक्रम दो दिवसीय था -15 मई से आरम्भ होकर 16 मई तक चला। प्रथम दिन मुख्य अतिथि प्रोफेसर के०के० वर्मा, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा उत्साहवर्धन के साथ सभी संकायों (विज्ञान, कला, वाणिज्य, वोकेशनल इत्यादि) के छात्र-छात्राओं के लिये कई प्रतियोगिताओं जैसे पोस्टर बनाना, छायाचित्र, लेखन, आशु भाषण आयोजित किये गये जिसमें अनेक महाविद्यालयों एवं अनेक विश्वविद्यालयों जैसे आई०आई०टी०, बीएचयू, कोलकाता विश्वविद्यालय, आदि स्थानों से छात्र-छात्राओं ने जोर-शोर से भाग लिया। कुल 614 प्रतिभागी रहे। द्वितीय दिवस 16 मई को व्याख्यानमाला आयोजित की गयी जिसमें तमाम सम्मानों से विभूषित मुख्य अतिथि डॉ० अनिल भारद्वाज, डायरेक्टर, फ़िज़िक्स रिसर्च लैबोरेटरी, अहमदाबाद, प्रोफेसर केहर सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग, आई० आई० टी०, दिल्ली, लखनऊ विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर आलोक राय ने प्रतिभागियों को दुर्लभ जानकारी से आलोकित किया। इसके पश्चात व्याख्यान माला में प्रोफेसर एन०बी० सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रोफेसर आर० एम० मेहरा, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर उषा मालवीय, पूर्व विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं के समक्ष प्रकाश के विज्ञान के बहुत रुचिकर पहलुओं को उद्घाटित किया। इस व्याख्यानमाला की अगली कड़ी में डॉ० ए० के० श्रीवास्तव, मुख्य वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, डॉ० नुजहत एफ० जीलानी, वैनियर कॉलेज, कनाडा, और डॉ० चंचल जौहरी, आयुर्वेदिक फ़िज़ीशियन ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया। याद दिला दें कि भारत के तमाम मंदिरों जैसे छाया मंदिर, वृहदेश्वर मंदिर और हम्पी मंदिर में प्रकाश के सिद्धांत को श्रंखला स्थापत्य कला द्वारा दर्शाया गया है। भौतिक विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पूनम टण्डन के मार्गदर्शन में यह संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन भौतिक विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव (कन्वीनर) ने किया तथा इस कार्यक्रम के ऑरगनाइज़िंग सेक्रेटरी प्रोफेसर राजेश शुक्ला थे।